Fourteenth Loksabha

Session : 7
Date : 13-03-2006
Participants : Yadav Dr. Karan Singh,Kumar Shri Shailendra,Athawale Shri Ramdas,Yadav Shri Chandrapal Singh,Maharia Shri Subhash,Pateriya Smt. Neeta

an>

Title : Regarding loss being incurred by farmers due to unseasonal rain in the Country.

MR. SPEAKER: I have got names of 23 Members with me. I will try to accommodate all of them, if you kindly have a little patience. If it is done in an orderly manner, I think I can complete the list.

Shri Chandrapal Singh Yadav.

श्री चन्द्र पाल सिंह यादव (झांसी) : माननीय अध्यक्ष महोदय, पिछले दिनों हुई बेमौसम बरसात और ओलावृटि के कारण उत्तर प्रदेश के बुन्देलखंड क्षेत्र में किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। हमारे लोक सभा क्षेत्र के अंतर्गत ललितपुर जनपद में महरौनी क्षेत्र के लगभग 34 गांव और तालबहट तहसील के लगभग 26 गांवों में ओलों का प्रकोप रहा है। वहां लगभग एक किलों से डेढ़ किलों तक के वजन के ओले पड़े हैं। वहां लगभग डेढ़ दर्जन ऐसे गांव हैं, जहां लोगों के पास रहने के लिए न घर रहा है और न मकान रहा है। उनके जानवरों की भी मौत हो गई है तथा वहां जनहानि भी हुई है। वहां खेतों मे एक दाना पैदा होने की स्थिति नहीं है। मैं आपसे नि वेदन करना चाहता हूं कि ललितपुर जनपद पहले से ही गरीब क्षेत्र है। वहां के लोग रोजी-रोटी के लिए दूसरी जगहों के लिए पलायन कर जाते हैं। लेकिन आज ओलों और बेमौसम बरसात के कारण पूरा जनपद त्राहि-त्राहि कर रहा है। वहां लोगों के पास भोजन तक की व्यवसा नहीं है। लोगों ने खेती के लिए बैंकों से ऋण लिया है, वे उस ऋण को वापिस देने की स्थिति में भी नहीं है। अध्यक्ष महोदय, आज इस मौके पर मैं आपके माध्यम से केन्द्र सरकार से निवेदन करना चाहूंगा कि केन्द्र सरकार की जो तमाम योजनाएं हैं - काम के बदले अनाज योजना या रोजगार गारंटी योजना, उसके माध्यम से उस जनपद को विशेा पैकेज देकर, उस क्षेत्र में वहों के लोगों को रोजगार के अवसर प्रदान किए जाएं, जिससे वहां के लोगों को रोजगार मिल सके और उनकी रोजी-रोटी का प्रबंध हो सके। जिनकी जनहानि हुई है और जिनके जानवरों की हानि हुई है, उन्हें मुआवजा मिले तथा जिनके रहने के लिए जगह नहीं है, इंदिरा आवास के रूप में केन्द्र सरकार वहां पैसा उपलब्ध करा कर उन लोगों के रहने की व्यवस्था करने की कृपा करें। धन्यवाद।

MR. SPEAKER: Many other hon. Members would like to speak on the similar issue. I would request them to be brief and to the point.

डॉ. करण सिंह यादव (अलवर) : अध्यक्ष महोदय, राजस्थान में भी पिछले सप्ताह में बेमौसम की वर्ा, तेज आंधी और ओलावृटि हुई है। मेरे लोक सभा क्षेत्र अलवर के अंदर रात को किसान अपनी लहलहाती फसल छोड़ कर सोया और सुबह उसने देखा कि सारी की सारी फसल तहस-नहस हो गई। खलिहानों में जो सरसों की फसलें पड़ी थीं, वे तालाब में परिणत हो गईं। हमारे खेरतल कस्बे के जटियाणा और साधुका गांवों में बड़ी संख्या में भेड़, बकरियों एवं पशुधन की हानि हुई है।

अत: मैं आपके माध्यम से केन्द्र सरकार से निवेदन करना चाहूंगा कि समूचे राजस्थान के साथ अलवर जिले का भी निरीक्षण कराया जाएं। वहां सरकार की तरफ से राहत केन्द्र खोले जाएं ताकि वहां के लोगों को मदद मिले और उन्हें अनुदान मिले, आपके माध्यम से सरकार से मैं यह प्रार्थना करता हूं। धन्यवाद।

MR. SPEAKER: Hon. Members, please cooperate.

श्री सुभाा महरिया (सीकर) : अध्यक्ष महोदय, यह जो बेमौसम की वर्ा हो रही है, 10 तारीख को मेरे संसदीय क्षेत्र सीकर के रींगस कस्बे के आस-पास करीब 24 गांवों में जिस प्रकार की ओलावृटि हुई है, वहां लगातार 16 घंटे तक जो ओले गिरे, वे पिघल नहीं पाए। सरसों, गेहूं एवं मैथी की सारी की सारी फसल बर्बाद हो गई। वहां हमने व्यक्तिगत रूप से दौरा भी किया।

अध्यक्ष महोदय, हम आपके माध्यम से भारत सरकार से निवेदन करना चाहेंगे कि प्राकृतिक राहत आपदा कोा में से किसानों को राहत दी जाए।...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Hon. Members, why are you raising your hands like this? Why can you not wait?

श्री सुभाा महरिया : हर सूरत में उनके बिजली के बिल माफ किए जाएं। इस ओलावृटि से किसानों के ऊपर जो कहर बरपा है, उसके लिए हम चाहते हैं कि भारत सरकार की तरफ से पूर्ण रूप से जानकारी ली जाए। कोटा में ओलावृटि पहले हुई, उसके बाद सीकर में ही नहीं, बल्कि जयपुर, अलवर. चुरू, झुंझुनू, इन सभी शेखावटी जनपद के इलाकों में भी ओलावृटि हुई।

अध्यक्ष महोदय, आप जानते ही हैं कि राजस्थान वैसे भी सूखाग्रस्त प्रदेश है और यह भयंकर अकाल की चपेट में रहा है। इसलिए राज्य सरकार को अधिक से अधिक राहत दी जाए और उन किसानों को अधिक से अधिक मुआवजा दिया जाए। उनके बिजली के बिल भी भारत सरकार द्वारा माफ किए जाएं।...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Hon. Members, you are very much aware of the procedure. Why are you doing it? This is not free for all. Otherwise, I would stop this so-called 'Zero Hour' business.

श्री रामदास आठवले (पंढरपुर) : अध्यक्ष महोदय, इस ओलावृटि से पूरे देश में नुकसान हुआ है। हमारे महाराट्र में अनार, काजू, आम एवं गन्ने की फसलों को भारी नुकसान हुआ है। मैं आपके माध्यम से भारत सरकार से मांग करता हूं कि इन्हें ज्यादा से ज्यादा कम्पनसेशन देना चाहिए और इंश्योरेंस बढ़ाने के लिए भी सरकार को विचार करना चाहिए। महाराट्र को ज्यादा से ज्यादा मदद मिलनी चाहिए, यह मेरी मांग है।

MR. SPEAKER: Shrimati Neeta Pateriya, please try to be on time in future. I am allowing you because of the importance of the matter.

श्रीमती नीता पटैरिया (सिवनी) : अध्यक्ष महोदय, मध्य प्रदेश में चार महीने से लगातार मूसलाधर वार्ा हुई और खूब ओलावृटि हुई, जिसके कारण किसान बर्बाद हो गए। जिनकी चने की फसल कट कर खलिहान में रखी हुई थी, वे फिर से अंकुरित हो गई और जो गेहूं की फसलें थीं, वे ओलावृटि के कारण जमीन पर बिछ गईं। किसानों को ओलावृटि से बहुत ज्यादा नुकसान हुआ है।

अध्यक्ष महोदय, मध्य प्रदेश में लगभग दो लाख हैक्टेयर की फसलें चौपट हो चुकी हैं और 1200 गां वों में ओलावृटि हुई है। मेरा लोक सभा क्षेत्र सिवनी आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र है, वहां वैसे ही गरीबी है, वहां से लोग पलायन कर जाते हैं। वहां मूसलाधार वार्ा और ओलावृटि के कारण फसलें चौपट हो गई हैं, किसान बर्बाद हो गए हैं। उन्हें बर्बादी से बचाया जा सके, इसलिए केन्द्र सरकार से मेरा निवेदन है कि वह अधिक से अधिक राशि, एक स्पेशल पैकेज किसानों के लिए मध्य प्रदेश सरकार को दे, जिससे किसानों को अधिक से अधिक मुआवजा दिया जा सके। उन्हें बर्बादी से बचाया जाये। साथ ही उनके ऋण माफ किये जायें। उनके बिजली के बिल भी माफ किये जायें ताकि किसानों को राहत मिल सके। उनके लिये क्षेत्र में काम खोले जायें ताकि वे मज़दूरी के लिये अपने इलाके से बाहर न जायें और गांव में ही रहकर अपने परिवार का भरण-पोाण कर सकें।

श्री शैलेन्द्र कुमार (चायल) : माननीय अध्यक्ष जी, जैसा कि सम्माननीय सदस्य ने यह बात उठायी कि उत्तर प्र ादेश में ओलावृटि एवं तूफान के कारण गेहूं की फसल ज़मीन से टच करके गिर गई हैं। गेहूं के जितने पौधे थे, वे गिर गये हैं। इससे गेहूं में दाना नहीं आयेगा। किसानों का इसमें बहुत बड़ा नुकसान हुआ है। मेरा आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध है कि वह एक केन्द्रीय दल उत्तर प्रदेश भेजे जो किसानों को हुये नुकसान का सर्वे करे। जिन किसानों की खेती को नुकसान पहुंचा है, उन्हें मुआवज़ा तथा विशेा पैकेज दें। इसके अलावा किसानों के जितने ऋण एवं लगान हैं, उन्हें भी माफ करने की व्यवस्था की जाये।

MR. SPEAKER: Hon. Members, I have to apply my judgement because this is a very important matter concerning the common people and the farmers. Therefore, I have given it a priority. Although you could have associated, I have allowed each Member to make a separate submission. Therefore, allow me a little to please apply my judgement. As I have said, I will try to cooperate with every hon. Member.